नाम - डॉ. प्रदीप कुमार राय

विषय - राजनीति-शास्त्र

वर्ग - बी.ए. (H), पार्ट - 02

सत्र - 2019-20

पेपर - 04

अध्याय - 17 (1)

नाम - डॉ. प्रदीप कुमार राय
एसोसियेट प्रोफेसर, राजनीति-शास्त्र विभाग
रोहतास महिला कॉलेज, सासाराम

दिनांक - 05. 05. 2020

टॉपिक - भारतीय विदेश नीति के ~~निर्धारक तत्व~~ - आदर्श एवं उद्देश्य

भारत अपने भौगोलिक, आर्थिक, सांस्कृतिक रूप से विश्व पटल पर महत्वपूर्ण स्थान का परिचायक रहा है। अतीतकाल से ही इसकी भूमिका महत्वपूर्ण रही है। स्वतंत्रता प्राप्ति के पूर्व से ही भारत शांतिप्रिय प्रयासों एवं सहयोग द्वारा अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्र में ~~सक्रिय~~ प्रयासशील रहा है।

भारतीय विदेश नीति की रूपरेखा पर सितंबर 1946 में प्रकाश डालते हुये पं. नेहरू ने बताया था कि उसके अनुसार इसमें वैचारिक स्वतंत्रता, गुट से पृथक, शांतिपूर्ण प्रयास एवं सहभावना की बात प्रकट होती है।

Scanned with CamScanner

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 51 में भी इन्हीं सब बातों का उल्लेख मिलता है।
यहां भारतीय विदेशनीति के प्रमुख आदर्श एवं उद्देश्य को निम्न रूपों में उल्लिखित किया जा सकता है—
(1.) अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिये प्रत्येक संभव प्रयत्न करना।
(2.) अंतर्राष्ट्रीय विवादों के समाधान में मध्यस्थता पर बल।
(3.) राष्ट्रों के बीच सम्मानपूर्ण संबंध बनाये रखना।
(4.) अंतर्राष्ट्रीय कानून एवं राष्ट्रों के मध्य संधियों के प्रति आस्था बनाये रखना।
(5.) सैन्य गुटबंदियों एवं सम्मेलनों से पृथक रहते हुये इसे निरस्त्रीकरण।
(6.) उपनिवेशवाद का विरोध करना।
(7.) साम्राज्यवादी भावना को निरस्त्रीकरण।
(8.) उपनिवेशवाद, जातिवाद, साम्राज्यवाद से पीड़ित देशों की जनता की सहायता करना।
(9.) भारत की आकांक्षाओं, नीतियों और चेतनाओं के प्रति अंतर्राष्ट्रीय जगत में समर्थन विकसित करना।
(10.) सभी देशों से व्यापार, उद्योग, निवेश और प्रौद्योगिकी आदान के क्षेत्र में पारस्परिक लाभप्रद और सहयोगी ढांचा विकसित करना।
(11.) लोकतंत्र, व्यक्तिगत स्वतंत्रता को संवर्द्धन करने की दृष्टि से सर्जनात्मक भावनाओं को प्रेरित करना,

Scanned with CamScanner

(12.) द्विपक्षीय संबंधों में संवर्धन, विश्वशांति स्थिरता, बहुध्रुवीयता की मजबूती हेतु प्रमुख शक्तियों के साथ कार्य करना;
(13.) संयुक्त राष्ट्र, गुटनिरपेक्ष आंदोलन और अन्य अंतर्राष्ट्रीय संगठनों में रचनात्मक भूमिका करना;
(14.) पड़ोसी देशों के साथ मैत्री और सहयोग को मजबूत करना तथा स्थायी विश्वास और समझबूझ का वातावरण तैयार करना;

उपर्युक्त उद्देश्यों के अध्ययन से यह स्पष्ट होता है कि भारत की विदेश नीति शांति, समानता, स्थिरता मैत्रीपूर्ण संबंध से प्रेरित और समर्थित है। इसमें सहयोग और सद्भावना के विकास पर भी बल दिया गया है। पं. नेहरू जो भारतीय विदेशनीति के प्रमुख निर्माता कहे जा सकते हैं. शांति, मित्रता और समानता को इसका आधार स्तंभ बताते हैं।